भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 26 अगस्त, 2026
जारी करने का समय:1325 घंटे

विषय: (i) दक्षिण उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर बने निम्न दाब क्षेत्र के कारण, उत्तर प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 26 अगस्त को दक्षिण-पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश हो सकती है।
(ii) अगले एक हफ़्ते तक प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधियां कम रहने की संभावना है।

आज, 26 अगस्त, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 21 सेमी) दर्ज की गई है।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश और तटीय कर्नाटक में बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, बिहार, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और केरल में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- मानसून गर्त का पश्चिमी सिरा अपनी सामान्य स्थिति से उत्तर की ओर है और पूर्वी सिरा निचली और मध्यम क्षोभ मंडलीय स्तर में अपनी सामान्य स्थिति के पास है।
- कल झारखंड और आसपास के इलाकों में बना निम्न दाब क्षेत्र आज, 26 अगस्त 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के ऊपर स्थित था।
- निचली क्षोभ मंडलीय स्तर में, दक्षिणी उत्तर प्रदेश और उससे सटे उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में कम दबाव वाले क्षेत्र के केंद्र से उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी तक एक गर्तफैली हुई है।
- मध्यम क्षोभ मंडलीय स्तर में, उत्तरी हरियाणा और आसपास के इलाकों में चक्रवाती परिसंचरण के रूप में एक पश्चिमी विक्षोभ मौजूद है।
- निचली क्षोभ मंडलीय स्तर में, उत्तर-पूर्वी असम और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- मध्यम क्षोभ मंडलीय स्तर पर, उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और आसपास के इलाकों में ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- मध्यम क्षोभ मंडलीय स्तर पर, पश्चिम-मध्य और उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी आंध्र प्रदेश और दक्षिणी ओडिशा के तटों के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- मध्यम क्षोभ मंडलीय स्तर पर, दक्षिणी मध्य महाराष्ट्र के ऊपर ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; और 26 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।

- 26 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; और 26-27 अगस्त के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- उत्तर-पश्चिम भारत के बाकी हिस्सों में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 29-30 अगस्त के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में; 26 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; और 27 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 1 सितंबर को हिमाचल प्रदेश में; 26 अगस्त और 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान उत्तराखंड में; 26-27 अगस्त के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 27 अगस्त और 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; 26 अगस्त को पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है, साथ ही 26 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- 26 अगस्त को दक्षिण-पश्चिमी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 26-27 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 26 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश में; 26-27 अगस्त और 31 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान विदर्भ में काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 28 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 28-30 अगस्त के दौरान विदर्भ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 26-30 अगस्त के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- 26-27 अगस्त के दौरान पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 26-27 अगस्त और 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में 26 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान।
- 26 अगस्त को उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 26 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है; बिहार में 26-27 अगस्त और 29 अगस्त को बारिश हो सकती है।
- 28 अगस्त और 30 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान बिहार में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 28 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; 29-30 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंके 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; ओडिशा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 26-28 अगस्त के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में 26-30 अगस्त के दौरान; बिहार में 26 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंके 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 27-28 अगस्त के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 26 अगस्त और 29-31 अगस्त के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में; 27-30 अगस्त के दौरान झारखंड में; 26-29 अगस्त के दौरान बिहार में; 26-28 अगस्त के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 26 अगस्त को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29 अगस्त से 1 सितंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- 26-27 अगस्त के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंके 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- 26 अगस्त को बिहार में कुछ जगहों पर मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

पूर्वोत्तर भारत:

- 26 अगस्त-1 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 28 अगस्त-1 सितंबर के दौरान असम और मेघालय; 27 अगस्त-1 सितंबर के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।

- 26-27 अगस्त के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट से लेकर छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 26 अगस्त को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- 26-30 अगस्त के दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- 27-29 अगस्त के दौरान और 31 अगस्त-1 सितंबर के दौरान अरुणाचल प्रदेश में अलग-अलग भारी वर्षा होने की संभावना है; असम और मेघालय 26-29 अगस्त के दौरान और 31 अगस्त-1 सितंबर के दौरान; 27-29 अगस्त के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा और 31 अगस्त को अरुणाचल प्रदेश में 26 अगस्त और 30 अगस्त को अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 30 अगस्त को असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।

पश्चिम भारत:

- 26 अगस्त-1 सितंबर के दौरान कोंकण और गोवा में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है।
- 26 अगस्त-1 सितंबर के दौरान गुजरात क्षेत्र, मध्य महाराष्ट्र, मराठावाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है।
- 26 अगस्त को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 26 अगस्त-1 सितंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 29 अगस्त-1 सितंबर के दौरान केरल और माहे और लक्षद्वीप।
- 26-28 अगस्त के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 26 अगस्त-1 सितंबर के दौरान तटीय कर्नाटक।
- 26-27 अगस्त के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में छिटपुट आंधी, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 26 अगस्त को उत्तर आंतरिक कर्नाटक; 26-30 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा, 26 अगस्त को केरल और माहे, लक्षद्वीप, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे से 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है।
- लक्षद्वीप में 26 और केरल और माहे में 26-27 अगस्त के दौरान अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 26 अगस्त को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में तेज़ सतही हवाएँ चलने की संभावना है; 26-30 अगस्त के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और रायलसीमा।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- अरब सागर: सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, 31 अगस्त तक पश्चिम-मध्य अरब सागर के कई हिस्सों और दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 27 से 31 अगस्त के दौरान पूर्व-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 27 से 30 अगस्त के दौरान उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में, 30 अगस्त को उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में, 26 अगस्त को कर्नाटक, केरल और लक्षद्वीप इलाके के पास और उनसे दूर।
- बंगाल की खाड़ी: दक्षिण तमिलनाडु तट के पास, मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में और दक्षिण श्रीलंका तट से सटे दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और 31 अगस्त तक अंडमान सागर के ऊपर; 26 से 29 अगस्त के दौरान दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और 29 अगस्त को दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में; 29 से 31 अगस्त के दौरान म्यांमार और थाईलैंड तट के पास और उनसे दूर, जो पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ज़्यादातर हिस्सों और उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों से सटे हैं; 26 अगस्त को मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में, 30 अगस्त को पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल सुबह 08:30 IST से आज सुबह 08:30 IST तक अलग-अलग मौसम संबंधी उप-मंडल में):

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: राठ (हमीरपुर) 22
- तटीय कर्नाटक: सुब्रमण्य (दक्षिण कन्नड़) 16
- पूर्वी मध्य प्रदेश: ओरछा (निवाड़ी) 16
- अरुणाचल प्रदेश: लोंगडिंग 13
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: चंदौली 12
- पूर्वी राजस्थान: उनियारा/अलीगढ़ 11
- केरल: चेम्बेरी (कन्नूर जिला) 11
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: भगतपुर टी. ई. 11
- पश्चिमी मध्य प्रदेश: जीरापुर (राजगढ़) 11
- बिहार: रोहतास 10
- हिमाचल प्रदेश: नैना देवी (जिला बिलासपुर) 9
- हरियाणा: सोहना (जिला गुड़गांव) 7
- गंगीय पश्चिम बंगाल: दुर्गाचक 7|

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	26- Aug	27- Aug	28- Aug	29- Aug	30- Aug	31- Aug	1- Sep
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	FWS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
7	ODISHA	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
8	JHARKHAND	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	WS
9	BIHAR	FWS	FWS	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
11	WEST UTTAR PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	WS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	WS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।

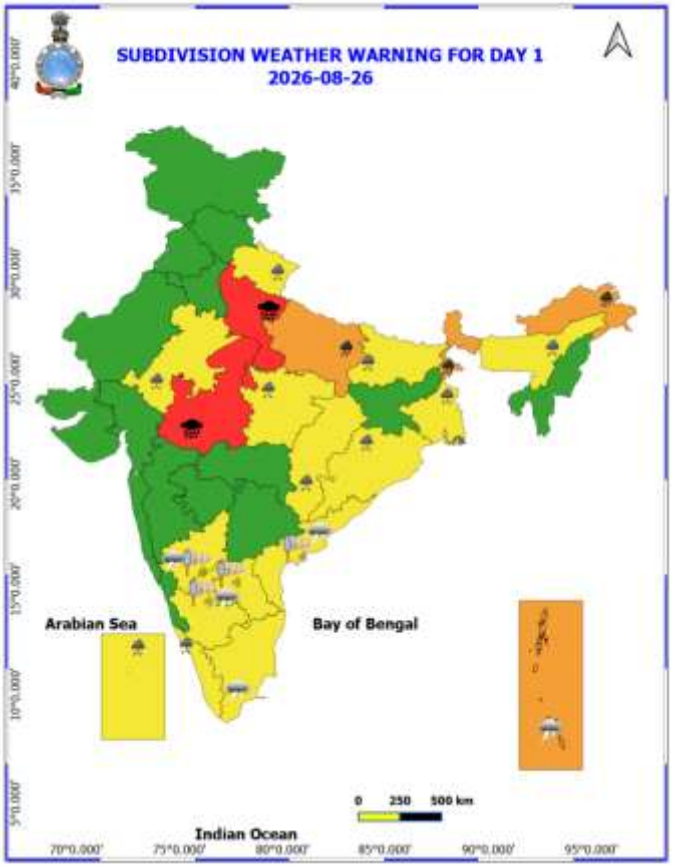
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-08-26
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

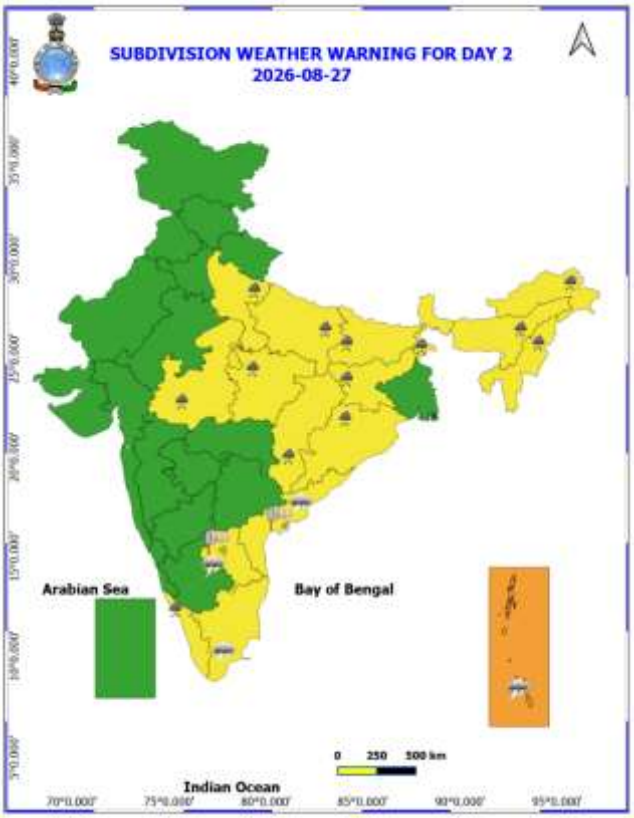
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-08-27
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

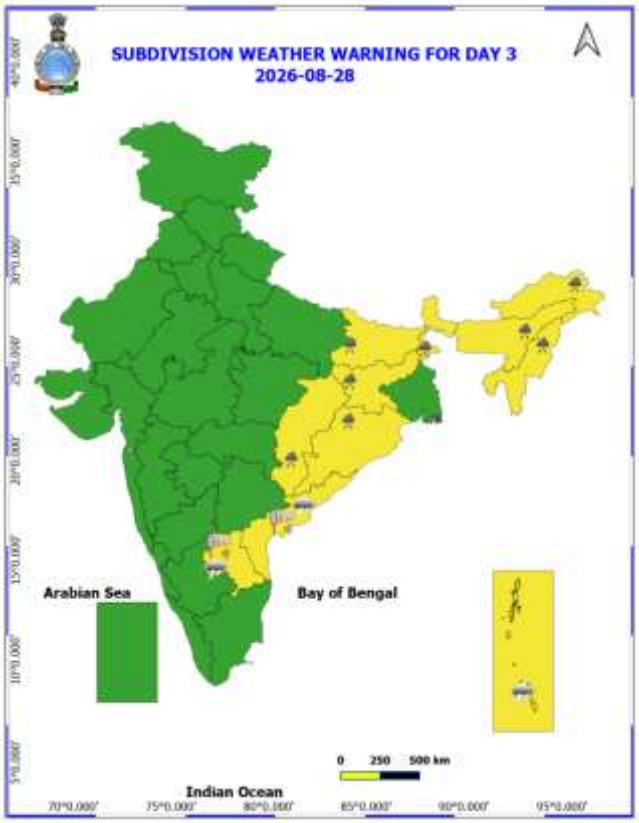
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-08-28
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

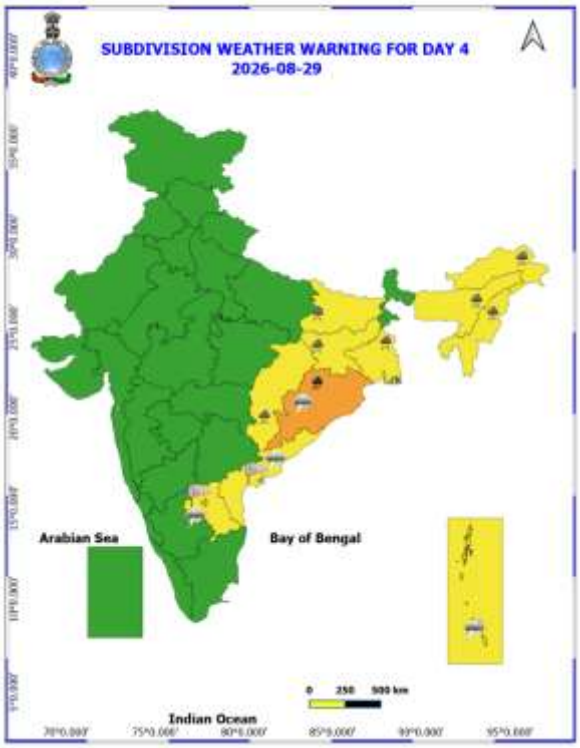

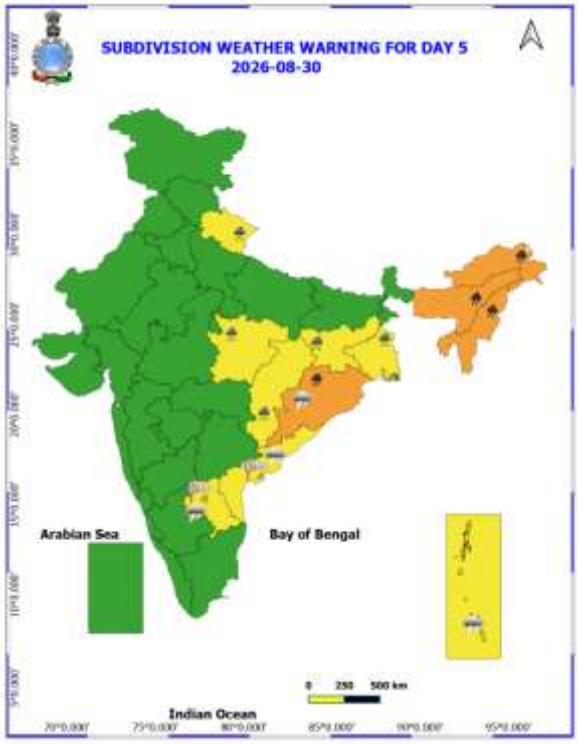

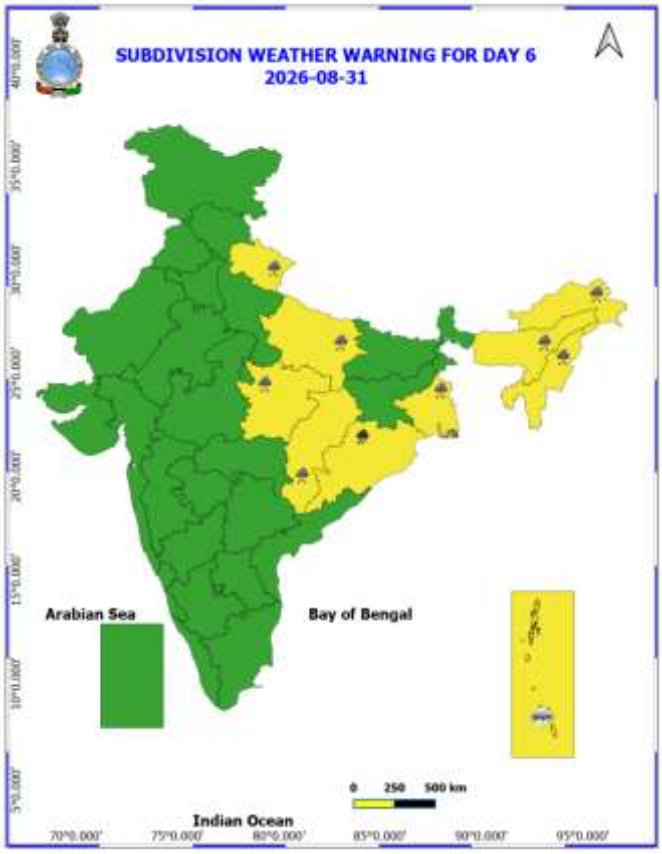

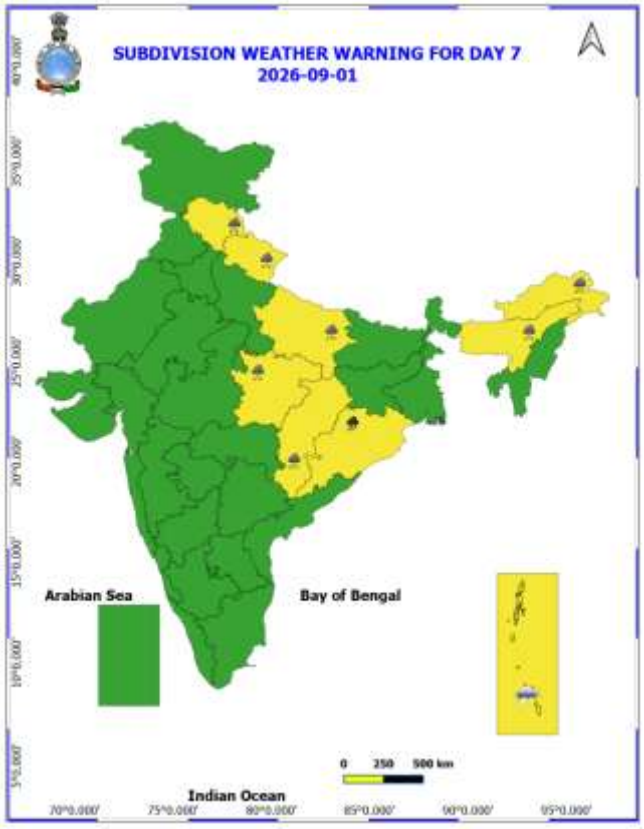

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

26 अगस्त से 29 अगस्त 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि न्यूनतम तापमान में 2-3°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 31-33°C और न्यूनतम तापमान 24-27°C के बीच रहा। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आमतौर पर बादल छाए रहे और दक्षिण-पूर्व दिशा से 18 किमी/घंटा की गति से हवा चली, जिसकी रफ्तार कभी-कभी 28 किमी/घंटा तक पहुँच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई, जबकि कुछ जगहों पर मध्यम से भारी बारिश भी हुई। आज इस इलाके में सुबह के समय आमतौर पर बादल छाए रहने और पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की गति से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

26.08.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर से शाम के बीच ज़्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ गरज/बिजली चमकने की संभावना है, और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32-34°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति 18 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी/घंटा हो जाएगी और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

27.08.2026: आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर तक कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 12 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

28.08.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) से अधिक रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 25 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

29.08.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आस-पास रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) से ज़्यादा रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी रफ़्तार सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार बढ़कर 22 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की रफ़्तार कम होकर 18 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 26 अगस्त को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है।
- 26 अगस्त को पूर्वी उत्तर प्रदेश, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 26 अगस्त को बिहार में कुछ जगहों पर मध्यम से लेकर तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियां टूट सकती हैं और केले, पपीते व सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटी नावें, ट्रॉलर और अन्य नौकाएं प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएं और बिजली के सुचालक पदार्थों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाए।
- तटीय और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाए।

भारी बारिश के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, धान और रागी की नर्सरी, सब्ज़ियों के खेतों और बागों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का अच्छा और असरदार इंतज़ाम रखें। मिर्च के पौधों को बचाएं और करेला, भिंडी और दूसरी नाज़ुक सब्ज़ियों की फ़सलों को गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।
- पश्चिमी मध्य प्रदेश में, मक्का, सोयाबीन, गन्ना, कपास और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें और अतिरिक्त पानी को तुरंत निकाल दें। केला, टमाटर, मिर्च और दूसरी नाज़ुक फ़सलों को सहारा दें और जब तक मिट्टी की हालत ठीक न हो जाए, तब तक खाद डालने, पौधों की सुरक्षा और खेती-बाड़ी से जुड़े दूसरे कामों को टाल दें।
- गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, रोपाई की गई अमन धान, जूट और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और अतिरिक्त पानी को तुरंत निकालने के लिए नालियों को साफ़ रखें। धान की रोपाई तभी करें जब खेत की हालत ठीक हो।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें और सब्ज़ियों व बागों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। खेत में काम तभी करें जब मिट्टी की हालत ठीक हो।

- असम और मेघालय में, धान, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, जूट, तिल और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और नालियों को साफ़ रखें। निचले इलाकों वाले खेतों से अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें और पानी जमा न होने दें।
- नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, धान, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फ़सलों और सब्ज़ियों के खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार मक्का, अदरक और सब्ज़ियों की कटाई करें।
- ओडिशा में, धान, दालों, मक्का, मूंगफली और सब्ज़ियों के खेतों से अतिरिक्त पानी की लगातार और असरदार निकासी पक्की करें और नालियों को साफ़ रखें। पानी से भरे खेतों में 'ब्यूशानिंग' (धान की फ़सल में निराई-गुड़ाई), यूरिया डालने और खेती-बाड़ी से जुड़े दूसरे कामों को तब तक टाल दें जब तक अतिरिक्त पानी निकल न जाए और मिट्टी काम करने लायक न हो जाए।
- बिहार में, धान, मक्का और दूसरी खड़ी फ़सलों वाले खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और गीले मौसम में सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें। धान की रोपाई और खेत के दूसरे काम तभी करें जब मिट्टी की हालत ठीक हो और लंबे समय तक पानी जमा न होने दें।
- जम्मू-कश्मीर में, दालों और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम पक्का करें और बारिश का अतिरिक्त पानी तुरंत निकाल दें। सब्ज़ियों के छोटे पौधों को सहारा दें और साफ़ मौसम में ही खेती-बाड़ी और पौधों की सुरक्षा से जुड़े काम करें।
- हिमाचल प्रदेश में, मक्का के खेतों से पानी की निकासी का सही इंतज़ाम पक्का करें और अदरक, हल्दी, रागी और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी वाली नालियों को साफ़ रखें। टमाटर, खीरा और दूसरी बेल वाली सब्ज़ियों को सहारा दें और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार सब्ज़ियों की कटाई करें।
- उत्तराखंड में, धान, गन्ना, झंगोरा (barnyard millet), राजमा, मक्का, रागी, अदरक और टमाटर के खेतों से ज़्यादा बारिश का पानी निकालने का सही इंतज़ाम करें। पानी जमा होने, मिट्टी के कटाव और फ़सल के गिरने से बचाने के लिए खेत के आउटलेट और पानी की नालियों को साफ़ रखें, मेड़ मज़बूत करें और टमाटर व दूसरी सब्ज़ियों में लगे सहारे और मचान को ठीक से बाँधें।
- पंजाब में, धान की रोपाई वाले खेतों, गन्ने और मक्के के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और खड़ी फ़सलों से ज़्यादा बारिश का पानी तुरंत निकाल दें। मेड़ और खेत की नालियों को साफ़ रखें और खाद डालने व फ़सल की सुरक्षा से जुड़े काम तभी करें जब बारिश न हो रही हो।
- हरियाणा में, कपास और दूसरी खड़ी फ़सलों से ज़्यादा बारिश का पानी निकाल दें और पानी जमा होने व जड़ों को नुकसान पहुँचने से बचाने के लिए खेत में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें। धान की रोपाई वाले खेतों में पानी का सही स्तर बनाए रखें और बारिश के दौरान फ़सल की सुरक्षा से जुड़े काम न करें।
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश में, अरहर, दालों, तिलहन, हल्दी, अदरक और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और निचले इलाकों से ज़्यादा पानी तुरंत निकाल दें। गीले मौसम में खाद, खरपतवार-नाशक और कीटनाशक डालने का काम टाल दें और नर्सरी तैयार करने व बुवाई का काम तभी जारी रखें जब खेत की हालत ठीक हो।
- पूर्वी उत्तर प्रदेश में, धान और दूसरी फ़सलों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और गीले मौसम में खाद, खरपतवार-नाशक और कीटनाशक डालने का काम टाल दें। धान की नर्सरी तैयार करने और अरहर, सब्ज़ियों व दूसरी खरीफ़ फ़सलों की बुवाई/रोपाई का काम तभी जारी रखें जब मिट्टी में नमी हो लेकिन पानी जमा न हो।
- पूर्वी मध्य प्रदेश में, सोयाबीन, मक्का, कपास, गन्ना, दालों, तिलहन और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का इंतज़ाम रखें और ज़्यादा पानी तुरंत निकाल दें।
- छत्तीसगढ़ में, धान, मक्का, मूँगफली, छोटे अनाज (minor millets), दालों और सब्ज़ियों के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें और निचले इलाकों में पानी की नालियों को साफ़ करें।
- मध्य महाराष्ट्र में, धान, मक्का, कपास, हरी मूँग, उड़द, अरहर और बाजरे के खेतों में पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और ज़्यादा पानी तुरंत निकाल दें।
- केरल में, धान और बागवानी फ़सलों के आस-पास पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें और पानी जमा होने वाले इलाकों से ज़्यादा पानी तुरंत निकाल दें।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि मौसम परामर्श

- काटी गई उपज को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या उपज को खेतों में तिरपाल शीट से ढक दें। कटी हुई फसलों को मज़बूती से बांधें और ढक दें ताकि तेज़ हवाओं से उनके हिलने का खतरा कम हो।
- बागवानी वाली फसलों को मैकेनिकल सपोर्ट दें और सब्ज़ियों और छोटे फलों वाले पौधों / फल देने वाले पौधों को तेज़ हवाओं से गिरने से बचाने के लिए सहारा दें।

पशुधन / मुर्गी पालन / मछली पालन

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारा और चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर सही जाल लगाकर एक आउटलेट बनाएं ताकि ज़्यादा पानी निकल जाए, जिससे ओवरफ्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल सकें।

अचानक आई बाढ़ के लिए दिशा-निर्देश:

27-08-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

पूर्वी राजस्थान - भरतपुर, धौलपुर और करौली जिले।
पश्चिमी उत्तर प्रदेश - आगरा, अलीगढ़, औरैया, बदायूं, एटा, फिरोजाबाद, हमीरपुर, झांसी, कासगंज, मैनपुरी, मथुरा और शाहजहांपुर जिले।
पश्चिमी मध्य प्रदेश - भिंड, दतिया, ग्वालियर, मुरैना और शिवपुरी जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।

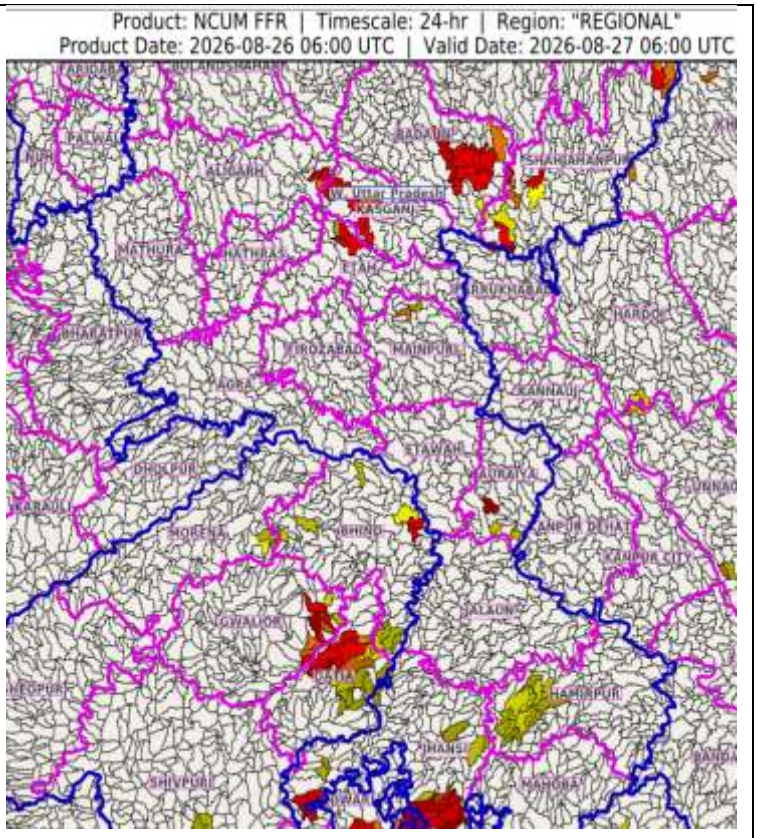

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आतंरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आतंरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

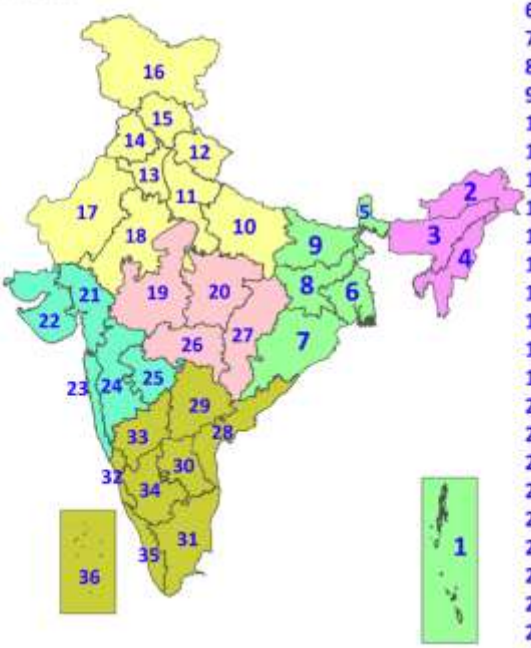

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds
Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds
Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)